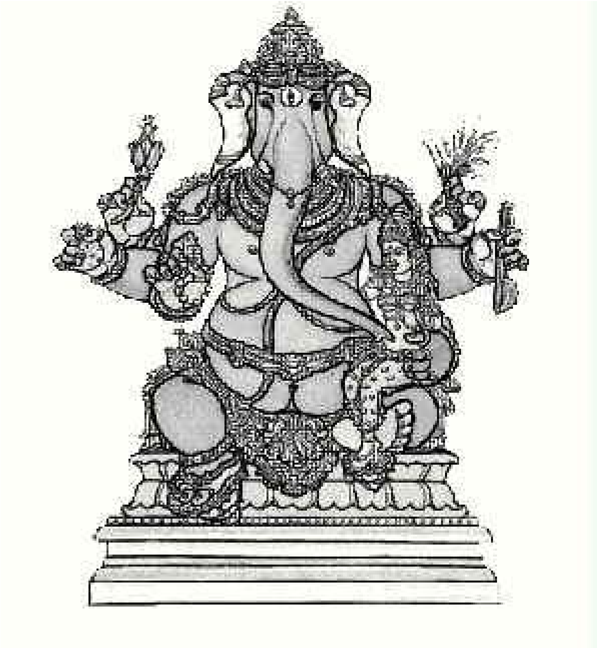

नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपति तर्पणम्

स्वामिमस्तके तर्पणं

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (१२ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं हं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं स्तिं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं मुं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं खां हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं यं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं लं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं बों हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं दं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं रां हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं यं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओँ आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं उं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओँ हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेतौच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओँ आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं च्छिं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओँ हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओँ आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं ष्टं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओँ हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रोँ ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं मं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं हां हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं त्मं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं हूं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं नें हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों

ह्लीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्ठाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्लीं हुं घे घे उच्छिष्ठाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्लीं ग्लौं गं आं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्ठाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)
ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्लीं हुं घे घे उच्छिष्ठाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्लीं ग्लौं गं क्रों हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्ठाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्लीं हुं घे घे उच्छिष्ठाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्लीं ग्लौं गं ह्लीं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्लीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्ठाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं क्लीं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)
ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं ह्रीं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं हुं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं घें हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं घें हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं उं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं च्छिं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं ष्टां हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं यं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ऒं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं स्वां हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं हां हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

ओं हस्तिमुखाय लंबोदराय उच्छिष्ट महात्मने आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं हुं घे घे उच्छिष्टाय स्वाहा ॥ नीलसरस्वती स्मेत उच्छिष्टमहागणपतिं तर्पयामि (४ वारम्)

पीठ तर्पणम् (१ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं आधारशक्तिं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं आदिकूर्मं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं मूलप्रकृतिं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अनन्तं   तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं पृथिवीं   तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं धर्मकन्दं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं ज्ञाननालं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं वैराग्यपत्रं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं ऐश्वर्यमणिकां तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं रत्नसिंहासनं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अधर्मं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अज्ञानं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अवैराग्यं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अनैश्वर्यं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं कन्दं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं नालं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं केसरं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अंकुरं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं कर्णिकां तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं पद्मं तर्पयामि

द्वारदेवताः तर्पणम् (१ वारम्)

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं दुं दुर्गां तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं गं गणपतिं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं सं सरस्वतीं तर्पयामि

ओं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं क्षं क्षेत्रपालं तर्पयामि

आयुधानि तर्पणम् (१ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं पाशं तर्पयामि

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अंकुशं तर्पयामि

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं चापं तर्पयामि

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं बाणं तर्पयामि

दिक्पालतर्पणम्

अतः परं स्वामिसन्निधौ

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं लं इन्द्राणीसहितम् इन्द्रं तर्पयामि (४ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं रं स्वाहा स्वधासहितम् अग्निं तर्पयामि (४ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं हं मारि महामारि सहितं यमं तर्पयामि (४ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं शं शक्तिसहित निऋर्तिं तर्पयामि (४ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं वं वारुणीसहित वरुणं तर्पयामि (४ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं यं प्रबलाशान्तिसहितं वायुं तर्पयामि (४ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं पं श्रीशक्तिसहितं कुबेरं तर्पयामि (४ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं शं गौरीशक्तिसहितम् ईशानं तर्पयामि (४ वारम्)

नवग्रहतर्पणम् (१ वारम्)

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं आं आदित्यं तर्पयामि

ॐ आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं सुं सोमं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अं अंगारकं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं बुं बुधं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं ब्रं बृहस्पतिं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं शुं शुक्रं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं शं शनैश्चरं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं रां राहुं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं कें केतुं तर्पयामि

सप्तर्षितर्पणम् (१ वारम्)

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं काश्यप ब्रह्माणं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं अत्रि ब्रह्माणं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं भरद्वाज ब्रह्माणं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं विश्वामित्र ब्रह्माणं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं गौतम ब्रह्माणं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं जमदग्नि ब्रह्माणं तर्पयामि

ऒं आं क्रों ह्रीं क्लीं ह्रीं ग्लौं गं वसिष्ट ब्रह्माणं तर्पयामि

Compiled by B.Ramakrishnan
House No. 223, Sector 7, R.K.Puram,
New Delhi 110 022
Email: ramki61@yahoo.com
Tel. No. 011-26191093